राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 32 | मुंबई : बुधवार 17 जून 2026 से 23 जून 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

क्या क्वाड को ठंडे बस्ते में डालेगा अमेरिका ?

ट्रंप प्रशासन ने इंडो-पैसिफिक कमांड का नाम बदलकर पैसिफिक कमांड किया

नई दिल्ली : वर्ष 2018 में जब राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की सरकार ने अपनी सेना के सबसे महत्वपूर्ण कमांड यूएस पैसिफिक कमांड (यूएसपाकोम) का नाम बदल कर यूएस इंडो पैसिफिक कमांड (यूएसइंडोपाकोम) कर दिया तो यह माना गया है कि यह अमेरिकी रणनीति में हिंद महासागर के साथ ही भारत के बढ़ते महत्व का द्योतक है।

अब इस फैसले के तकरीबन छह वर्ष बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में 16 जून, 2026 को यूएसइंडोपाकोम का नाम बदल कर वापस यूएस पैसिफिक कमांड कर दिया है। यह फैसला 1947 में राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन द्वारा स्थापित मूल नाम और कमांड की 70 वर्ष पुरानी गौरवशाली विरासत को बहाल करने के उद्देश्य से लिया गया है।

अमेरिका ने इस फैसले के पीछे की वजह नहीं बताई है और अभी यह कहना भी जल्दबाजी होगी कि इसका भारत-अमेरिकी रणनीतिक संबंधों पर कोई असर होगा। लेकिन कुछ भारतीय विश्लेषक और विपक्षी नेता इस फैसले को अमेरिकी रणनीति में क्वाड (अमरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान का संगठन) की घटती प्राथमिकता का संकेत मान रहे हैं।

2018 में दिया था यूएस इंडो पैसिफिक कमांड नाम

अमेरिका के पैसिफिक कमांड का क्षेत्र अब भी पश्चिमी अमेरिका से भारत की पश्चिमी समुद्री सीमा तक फैला हुआ है और जमीनी तौर पर भारत के साथ अमेरिकी सैन्य सहयोग पर कोई असर पड़ता नहीं दिख रहा है। वर्ष 2018 में अमेरिकी रक्षा विभाग ने जब इस कमांड के नाम के साथ हिंद महासागर का नाम जोड़ा तो इसे अमेरिकी सैन्य रणनीति में भारत की बढ़ती अहमियत के तौर पर देखा गया था।

मैटिस ने क्षेत्रीय सुरक्षा के भारत की भूमिका को बताया था अहम...

मैटिस ने इसे भारत की बढ़ती भूमिका और क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था में भारत को शामिल करने के प्रतीक के रूप में पेश किया था, जो चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा था। बाद में जब अमेरिका की नई नेशनल रक्षा नीति लागू की गई तो उसमें इंडो-पैसिफिक शब्द को प्रमुखता दी गई ताकि भारत सहित दक्षिण एशिया को भी इस व्यापक रणनीतिक फ्रेमवर्क में शामिल किया जा सके। पूर्व विदेश सचिव निरूपमा मेनन राव ने एक्स पर लिखा है कि, ''पहले ट्रंप का ''डेड इकोनॉमी'' (भारत को लेकर) वाला बयान, रायसीना डायलॉग में लैंडाउ (अमेरिका के विदेश राज्य मंत्री) का चेतावनी भरा बयान कि चीन वाली 'गलती' दोबारा न दोहराई जाए, भारतीय नाविकों की मौत और मार्को रुबियो के साथ हुई तीखी बहस।

मुंबई क्राइम ब्रांच ने 4,734 कोडीन सिरप की बोतलें कीं जब्त !

मुंबई : मुंबई क्राइम ब्रांच ने 52 लाख रुपए मूल्य की 4,734 कोडीन सिरप की बोतलें जब्त कीं हैं। इस दौरान पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच यूनिट ने 52.07 लाख रुपए मूल्य की कोडीन फॉस्फेट युक्त कफ सिरप की 4,734 बोतलें जब्त कीं और 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान, पुलिस ने नवी मुंबई में एक आरोपी के आवास पर छापा मारा और कोडीन फॉस्फेट सिरप की अतिरिक्त 4,581 बोतलें बरामद कीं। कुल मिलाकर, 52,07,400 रुपए मूल्य की 4,734 बोतलें और 1 लाख रुपए मूल्य की एक मोटरसाइकिल जब्त की गई, जिससे जब्त की गई संपत्ति का कुल मूल्य 53,07,400 रुपए हो गया। एक गुप्त सूचना के आधार पर, मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 11 ने कांदिवली पश्चिम में मलाड पश्चिम के एसवी रोड पर इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने राज्यदेवी गजानन गुप्ता ट्रस्ट के पास आरोपियों को पकड़ा। आरोपी कथित तौर पर मादक पदार्थों के सेवन के लिए कोडीन फॉस्फेट सिरप की 153 बोतलें बेचने की कोशिश कर रहे थे।

गिरफ्तार किए गए लोगों में से 2 की उम्र 26 वर्ष, एक की 23 वर्ष और चौथा आरोपी 17 वर्ष का नाबालिग है। मलाद पुलिस स्टेशन में संबंधित एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। क्राइम ब्रांच द्वारा आगे की जांच की जा रही है। इससे पहले चार जून को जम्मू-कश्मीर के सोपोर में पुलिस ने

4 आरोपी गिरफ्तार

दो अलग-अलग मामलों में चार नशा तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनके कब्जे से बड़ी मात्रा में कोडीन सिरप के बोतलें प्राप्त हुईं।

गैस रिपेयर सर्विस की आड़ में चल रहा था ड्रग्स नेटवर्क

₹16 लाख की मेफेड्रोन बरामद... तीन गिरफ्तार

मुंबई: शहर में ड्रग्स तस्करी के एक नए तरीके का पुलिस ने खुलासा किया है, जिसमें आरोपी गैस रिपेयर सर्विस देने के बहाने नशीले पदार्थों

की सप्लाई कर रहे थे। इस मामले में पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से करीब 16 लाख रुपये कीमत की मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद की गई है। एमडी (मेफेड्रोन) की अवैध संपत्तियों को लेकर एंटी-नारकोटिक्स सेल को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग मोटरसाइकिल के माध्यम से शहर में नशीले पदार्थों की दुकान कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने वैज्ञानिक जांच शुरू की और संदिग्ध खतरे पर नजर रखी गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी खुद को गैस रिपेयर सर्विस से जुड़ा बताकर लोगों के बीच आसानी से पहुंच बनाते थे, जिससे उन पर शक कम होता था। इसी आड़ में वे ड्रग्स की डिलीवरी और बिक्री का काम करते थे। इस पूरे ऑपरेशन को सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर सुशीला कोल्हे की निगरानी में अंजाम दिया गया। उनके नेतृत्व में उपनगर पुलिस स्टेशन और एंटी-गुंडा स्क्वाड की संयुक्त टीम ने गुरुवार रात दो अलग-अलग स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की और जाल बिछाया। जैसे ही आरोपी मोटरसाइकिल पर संदिग्ध हालत में इलाके से गुजर रहे थे, पुलिस टीम ने उन्हें रोक लिया और मौके पर ही हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से बड़ी मात्रा में मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद हुई, जिसकी बाजार कीमत लगभग 16 लाख रुपये आंकी गई है। सुशीला कोल्हे की राय में यह कार्रवाई पुलिस के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है, क्योंकि यह गिरोह लंबे समय से शहर में सक्रिय था और नए तरीके से अपनाकर नशीले बदमाशों की तस्करी कर रहा था।

...बारिश के दौरान गड्ढों पर बीएमसी की सरती

24 घंटे में शिकायतों का निपटारा करने के निर्देश

मुंबई : मानसून के दौरान सड़कों पर बनने वाले गड्ढों की समस्या को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए बीएमसी ने सड़क विभाग के अधिकारियों और अभियंताओं को सख्त निर्देश दिए हैं। अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर ने कहा है कि सड़कों पर गड्ढों संबंधी मिलने वाली हर शिकायत का निवारण 24 घंटे के भीतर किया जाए और सड़कों की तत्काल मरम्मत सुनिश्चित की जाए। बीएमसी मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में बांगर ने सड़क एवं यातायात विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्रवार नियुक्त ठेकेदारों द्वारा निर्धारित तकनीकी

मानकों और वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार उच्च गुणवत्ता के साथ गड्ढे भरे जा रहे हैं या नहीं इसकी निगरानी संबंधित अभियंता स्वयं करें। बांगर ने बताया कि मुंबई को गड्ढा मुक्त बनाने के लिए बीएमसी ने व्यापक सड़क कांक्रीटीकरण कार्यक्रम शुरू किया है।

सिडको का बड़ा अभियान: पावने इंडस्ट्रियल एरिया की पहाड़ी से मलबा हटाया जा रहा

मुंबई : सिडको ने पावने इंडस्ट्रियल एरिया से सटी एक पहाड़ी पर जमा भारी मात्रा में गाद और कंस्ट्रक्शन मलबे को हटाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। यह कदम संभावित भूस्खलन के खतरे को देखते हुए उठाया गया है, जिससे आसपास स्थित औद्योगिक इकाइयों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता था। यह कार्रवाई शुरू की गई, जिसमें जेसीबी एक्सकेवेटर और डंपरों की मदद से पहाड़ी पर जमा मलबे को हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भारी बारिश के दौरान मिट्टी और मलबे के खिसकने की आशंका को कम करना और क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संबंधित पहाड़ी का लंबे समय से अवैध तरीके से कचरा और निर्माण कार्य से निकले मलबे को डंप करने के लिए उपयोग किया जा रहा था। वर्षों से जमा हो रहे इस मलबे के कारण पहाड़ी की संरचना कमजोर हो गई थी और यह अस्थिर स्थिति में पहुंच गई थी। हाल ही में हुई हल्की

बारिश के बाद स्थिति और बिगड़ गई, जब पहाड़ी पर जमा गाद का एक हिस्सा अचानक नीचे खिसक गया। इसके चलते पहाड़ी का कुछ हिस्सा ढह गया, जिससे आसपास मौजूद उद्योगपतियों और श्रमिकों के बीच दहशत फैल गई। इस घटना ने प्रशासन को तुरंत कार्रवाई के लिए मजबूर कर दिया।

स्थानीय लोगों और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने पहले भी इस अवैध डंपिंग को लेकर चिंता जताई थी, लेकिन पर्याप्त कार्रवाई न होने के कारण स्थिति लगातार गंभीर होती गई। अब मॉनसून सीजन को देखते हुए भूस्खलन का खतरा और बढ़ गया है, जिसे देखते हुए सिडको ने यह विशेष सफाई अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने बताया कि मलबा हटाने के साथ-साथ क्षेत्र की निगरानी भी की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी अवैध गतिविधियों को रोका जा सके। इसके लिए संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस इलाके में डंपिंग पर सख्त नियंत्रण रखें। सिडको का कहना है कि यह अभियान केवल तात्कालिक खतरे को कम करने के लिए नहीं है, बल्कि लंबे समय के लिए क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। पहाड़ी को स्थिर करने और आसपास के औद्योगिक क्षेत्र की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। इस कार्रवाई के बाद उम्मीद है कि पावने इंडस्ट्रियल एरिया में भूस्खलन का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में पहली बार माउंटेन टनल के लिए 'टनल हुड्स' तकनीक का इस्तेमाल

मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के पहाड़ी टनल पोर्टल पर टनल हुड लगाए जा रहे हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अनुसार, यह पहली बार है जब भारत में रेलवे टनल के लिए ऐसी टनल हुड टेक्नोलॉजी डिजाइन और लागू की गई है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर मुश्किल इलाके से होकर गुजरता है और इसमें महाराष्ट्र में सात पहाड़ी टनल और गुजरात में एक पहाड़ी टनल शामिल है। इन पहाड़ी टनल के दोनों सिरों पर टनल हुड दिए जा रहे हैं।

इस सिस्टम की जरूरत के बारे में बताते हुए, रिलीज में कहा गया है कि जब कोई हाई-स्पीड ट्रेन किसी टनल में घुसती है, तो वह अपने आगे बहुत ज्यादा हवा को धकेलती

है, ठीक वैसे ही जैसे सिलेंडर के अंदर पिस्टन चलता है। हवा के इस अचानक दबाव से प्रेशर वेव बनती हैं जो टनल से होकर गुजरती हैं। अगर इन्हें ठीक से मैनेज न किया जाए, तो ये प्रेशर वेव ट्रेन के टनल से गुजरने पर तेज आवाज पैदा कर सकती हैं। टनल हुड खुले माहौल और छोटी टनल की जगह के बीच एक ट्रांज़िशन जोन का काम करते हैं। हवा को धीरे-धीरे अंदर और बाहर आने देकर, वे प्रेशर में बदलाव को कंट्रोल करने और सिस्टम के ओवरऑल एयरोडायनामिक परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर टनल हुड को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि टनल बूम और बाहर निकलते समय हाई-स्पीड ट्रेन की मूवमेंट से होने वाले शोर को कम किया जा सके, और आस-पास के इलाकों में होने वाली परेशानी को कम किया जा सके।

इसे बहुत तेज स्पीड से चलने वाली ट्रेनों के सुरक्षित और अच्छे ऑपरेशन में मदद करने के लिए भी डिजाइन किया गया है। आसान शब्दों में कहें तो, टनल हुड ट्रेन और हवा को अचानक के बजाय धीरे-धीरे एक-दूसरे के साथ एडजस्ट करने में मदद करता है, जिससे हाई-स्पीड रेल का सफर शांत, आसान और ज्यादा आरामदायक हो जाता है। इन टनल हुड की एक खास बात है ध्यान से डिजाइन किए गए प्रेशर-रिलीफ वेंट या खिड़कियां। ये खिड़कियां या ओपनिंग ट्रेन के टनल में घुसते ही कम्प्रेस्ड हवा के एक हिस्से को धीरे-धीरे एटमॉस्फियर में निकलने देती हैं। इससे प्रेशर वेव्स की इंटेंसिटी कम होती है, टनल बूम कम होता है और एयरफ्लो को आसान बनाए रखने में मदद मिलती है।

मुंबई : फ्लैट दिलाने के नाम पर 29.50 लाख की ठगी!

घर बेचने के बाद किराए के मकान में रहने को मजबूर हुआ परिवार

मुंबई : मुंबई में सस्ते और किफायती घर का सपना दिखाकर एक प्रॉपर्टी एजेंट द्वारा 29.50 लाख रुपए की कथित ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। इस धोखाधड़ी के कारण 51 वर्षीय तकनीशियन प्रमोद पाटिल न केवल अपनी जीवनभर की जमा पूंजी गंवा बैठे, बल्कि अपना घर बेचने के बाद अब पत्नी और दो बेटियों के साथ किराए के मकान में रहने को मजबूर हैं। मामले में भोईवाड़ा पुलिस ने आरोपी प्रॉपर्टी एजेंट अनिल अरुण माने के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार प्रमोद पाटिल निजी कंपनी में में तकन तकनीशियन

के रूप में काम करते हैं और रोजाना नालासोपारा से रबाले तक करीब तीन घंटे का सफर तय करते थे। लंबे सफर से परेशान होकर उन्होंने कार्यस्थल के करीब घर खरीदने का फैसला किया। वर्ष 2024 में उन्होंने नालासोपारा स्थित अपना फ्लैट बेच दिया और नए घर की तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान एक परिचित के माध्यम से उनकी मुलाकात दादर पूर्व स्थित प्रॉपर्टी एजेंट अनिल माने से हुई।

गोंदिया में धान खरीदी का 481 करोड़ रुपये भुगतान अटका, 46 हजार से अधिक किसान संकट में

गोंदिया : गोंदिया में खरीफ सीजन शुरू होने वाला है, इसी दौरान गोंदिया जिले के धान उत्पादक किसानों को बड़े आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। रबी सीजन में सरकारी धान खरीदी केंद्रों पर बेचे गए धान का 481 करोड़ 94 लाख रु। का भुगतान अब भी लंबित होने से 46,103 किसानों को भुगतान का इंतजार है। गोंदिया जिले के 191 खरीदी केंद्रों पर अब तक 20,30,432 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके लिए 2,369 रु। प्रति क्विंटल की दर से खरीदी तो की गई, लेकिन सरकार से राशि नहीं मिलने के कारण अभी तक किसानों के खाते

में राशि जमा नहीं हो पाई है। इस वर्ष रबी सीजन में धान बेचने के लिए 77,620 किसानों ने पंजीयन कराया था। जिनमें से 46,103 किसानों ने खरीदी पूरी कर ली है, लेकिन भुगतान रुकने से किसानों में सरकार और प्रशासन के प्रति नाराजगी का माहौल है। इस बीच 31,517 पंजीकृत किसान अब भी धान बेचने से वंचित हैं, जिससे खरीदी प्रक्रिया पर भी सवाल खड़ा हो गया है।

किसानों की चिंताएं बढ़ी

गोंदिया जिला मार्केटिंग फेडरेशन विवेक इंगले ने बताया कि जैसे ही सरकार से राशि उपलब्ध होगी, राशि सीधे किसानों के खाते में जमा कर दी जाएगी। लेकिन, वास्तविक निधि कब मिलेगी इसकी कोई निश्चितता नहीं होने से किसान चिंतित हैं। खरीफ सीजन आ गया है और बीज, उर्वरक, कीटनाशकों और खेती के लिए भारी मात्रा में धन की आवश्यकता होती है। लेकिन, धान बिक्री का भुगतान समय पर नहीं होने के कारण कई किसानों को कर्ज या निजी साहूकारों का सहारा लेना पड़ता है।

मुंबई : उमस और बादलों के बीच बढ़ी गर्मी, जून का रिकॉर्ड टूटा तापमान...

मुंबई : सुबह आंशिक रूप से बादलों से ढकी रही और शहर में उमस भरा मौसम देखने को मिला। हल्की बारिश की रुक-रुक कर हुई फुहारों और आसमान में बादलों की मौजूदगी के बावजूद शहर में असामान्य रूप से गर्मी बनी हुई है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में मुंबई में मौसम आम तौर पर उमस भरा रहने की संभावना है। विभाग ने बताया कि इस दौरान हल्की बारिश के साथ-साथ कभी-कभी गरज-चमक वाले बादल बनने की भी संभावना बनी रह सकती है।

हालांकि, भारी बारिश की कोई स्पष्ट संभावना फिलहाल नहीं जताई गई है, लेकिन मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। शहर में मौसम की यह असामान्य स्थिति लोगों के लिए चुनौती बनती जा रही है, क्योंकि बादलों के बावजूद गर्मी और उमस में कमी नहीं आ रही है। दिन और रात दोनों समय लोगों को चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है।

इसी बीच, मौसम विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार शुक्रवार को मुंबई की कोलाबा वेधशाला में न्यूनतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह तापमान जून महीने के लिए अब तक का सबसे अधिक न्यूनतम तापमान माना जा रहा है। इस रिकॉर्ड ने शहर में जारी असामान्य मौसम की स्थिति को और स्पष्ट कर दिया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार यह तापमान सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस अधिक था, जो सामान्य से काफी ऊपर माना जाता है। इस बढ़े हुए न्यूनतम तापमान ने जून महीने के सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

मुंबई में गहराया जल संकट... जलाशयों का जलस्तर घटकर 11.45% पर पहुंचा

मुंबई : पानी सप्लाई करने वाली सात झीलों में सिर्फ.11.45% पानी बचा है और दक्षिण-पश्चिम मॉनसून भी गायब है, जिससे शहर के सामने मुश्किल हालात हैं। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन रोजाना 3,850 मिलियन लीटर पानी सप्लाई करती है। यह 1.5 करोड़ से ज्यादा लोगों को पानी पहुँचाने का सराहनीय काम कर रही है, जिसके लिए पानी 160 किलोमीटर दूर से लाया जाता है। लेकिन मुंबई वालों की प्यास बुझाने की इसकी रणनीति में सबसे बड़ी कमी बारिश पर निर्भरता है।

और इस साल, ऐसा लगता है कि बारिश के देवता मुख्य हाइड्रोलिक इंजीनियर की बात मानने के मूड में नहीं हैं। कुछ दिन पहले हुई प्री-मॉनसून बारिश भी बहुत कम थी। आमतौर पर, 10 जून तक दक्षिण-पश्चिम मॉनसून केरल से आगे बढ़कर शहर में जोरदार बारिश करता है। इस बार, मॉनसून के केरल में आने के बावजूद बारिश लाने वाले बादलों का कोई अता-पता नहीं है। पानी की कमी के शुरूआती संकेत संकट को भांपते हुए, बीएमसी ने 15 मई को पानी की सप्लाई में 10% की कटौती लागू की थी। लेकिन यह समस्या का सिर्फ.एक छोटा सा समाधान था। शहर के कई इलाकों में पहले से ही पानी की कमी हो रही है। बोतलबंद पानी की मांग बहुत बढ़ गई है।

असल में, शनिवार को 'द फ्री प्रेस जर्नल' ने दो डिलीवरी प्लेटफॉर्म से बात की, जिन्होंने बताया कि उनके पास बोतलबंद पानी का स्टॉक नहीं है। किराने की दुकानों पर भी बोतलबंद पानी की भारी मांग है; डिस्ट्रीब्यूटर से स्टॉक आते ही कुछ घंटों में बिक जाता है। बीएमसी से पूछे गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला। सिस्टम की कमियां और इंफ्रास्ट्रक्चर में खामियां भले ही मुंबई बारिश पर बहुत ज्यादा निर्भर रही है, लेकिन इस स्थिति से निपटने के लिए कोई लंबी अवधि की योजना बनाने के लिए बहुत कम काम हुआ है। चौंकाने वाली सच्चाई यह है कि लीकेज और चोरी के कारण रोजाना लगभग 900 मिलियन लीटर पानी बर्बाद हो जाता है, और इसे रोकने के लिए बहुत कम काम हुआ है। इसके अलावा, कम से कम 10% पानी भाप बनकर उड़ जाता है, और इस मामले में भी नगर प्रशासन को ज्यादा सफलता नहीं मिली है।

नगर निकाय ने अभी-अभी डिसेलिनेशन प्लांट (खारे पानी को मीठा बनाने वाला प्लांट) पर काम शुरू किया है, लेकिन इसे पूरा होने में कुछ साल लगेंगे। वैसे भी, यह शहर की जरूरत का सिर्फ.एक छोटा सा हिस्सा ही पूरा कर पाएगा।

रीसाइक्लिंग और लंबी अवधि की योजना की मांग हालात को सुधारने का एक साफ समाधान पानी की बड़े पैमाने पर रीसाइक्लिंग करना था। पूर्व कॉर्पोरेटर और अनुभवी रवि राजा ने कहा, ''छह सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट पर काम शुरू हो गया है, लेकिन इनके 2028 से पहले चालू होने की उम्मीद नहीं है।'' उन्होंने कहा कि ये प्लांट कई साल पहले ही शुरू हो जाने चाहिए थे। फिलहाल, मुंबई के लोगों के पास वरुण भगवान से प्रार्थना करने के अलावा कोई चारा नहीं है।

अपहरण और मारपीट के मामले में 24 घंटे में पांच आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : डोंगरी इलाके में अपहरण, मारपीट और बंधक बनाने के एक गंभीर मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसमें एक 33 वर्षीय व्यक्ति को कथित तौर पर बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट और धमकी दी गई। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को बंधक बनाकर अमानवीय व्यवहार किया गया और उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। इस घटना के बाद डोंगरी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और तकनीकी व खुफिया जानकारी के आधार पर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान डोंगरी, प्रभादेवी और मझगांव इलाके के रहने वालों के रूप में हुई है। आरोपियों में अब्दुल्ला शौकत भुसानी (21), निवासी एमएम रेजिडेंसी, निशानपाड़ा क्रॉस लेन, डोंगरी; जुनैद कायमुद्दीन खान

(26), खाजी कंपाउंड, बीएम मार्ग, प्रभादेवी-लोअर परेल; मोहम्मद साद सुभान पठान (26), मारी हाइट्स, बेलवेदर रोड, मझगांव; अराफात हसम खनानी (24), सब्जी विक्रेता, लोधी हाउस, खड़क, डोंगरी; और साहिल स्वप्निल शेख (25), कमानवाला बिल्डिंग, जकारिया मस्जिद इलाके, बिस्ती मोहल्ला, खड़क, डोंगरी शामिल हैं। शिकायतकर्ता सचिन प्रवीण रणपिसे (33) के बयान के अनुसार, यह घटना 8 जून से 10 जून, 2026 के बीच एमएम रेजिडेंसी में हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने मोबाइल फोन खरीदने के लिए अब्दुल्ला भुसानी को 2 लाख रुपये दिए थे, लेकिन पैसे वापस नहीं किए गए।

धोखाधड़ी मामले मे क्राइम रिपोर्टर को मिली लारेंस विश्नोई गैंग के प्रतिद्धंद्धी बंबिहा गैंग के नाम पर धमकी

मुंबई : राजस्थान राज्य के अजमेर शहर के किशनगढ़ पुलिस स्टेशन मे क्राइम रिपोर्टर गौरव राजपुरोहित ने लिखित तक्रार देकर उनके पिता से धोखाधड़ी व उन्हे बंबिहा गैंग के नाम पर धमकी देने कि शिकायत दर्ज करवाई है, गौरव ने बताया कि उनके पिता से गोविंद सिंह राजपुरोहित ने साल 2001 मे एक लाख पाच हजार रुपए उधार लिए थे, पिडित ने बताया कि वे गोविंद सिंह को जानते तक नही थे लेकिन उनके बडे भाई नरपत सिंह, मदन सिंह, कान सिंह ने पिडित पर दबाव डालकर गोविंद सिंह को पेसे दिलवाये जब पिडित ने गोविंद सिंह से पेसे वापस मांगे तब गोविंद सिंह पिडित से आना-कानी करने लगा और जब पिडित ने अपने तीनो भाई को इस बात कि जानकारी दी, तब तीनो भाईयों ने अपना पल्ला झाड़ दिया, गोविंद सिंह राजपुरोहित किशनगढ़ पुलिस स्टेशन अंतर्गत बीती ग्राम का निवासी है, इस

मामले में जब पिडित ने गोविंद सिंह के साले चप्पालाल को इस बात कि जानकारी दी तब उन्होने पिडित को जान से मारने कि धमकी दे डाली, जिस पर पिडित ने विरार पुलिस स्टेशन मे सितम्बर 2022 को शिकायत दर्ज करवाई, अब पिडित ने बताया कि पिछले साल गोविंद सिंह ने पिडित को लारेंस विश्नोई गैंग के प्रतिद्वंद्वी बंबिहा गैंग के नाम पर धमकी दे डाली, बंबिहा गैंग जिसके नाम कि पिडित को धमकी दी गई आखिर ये बंबिहा गैंग कितनी ताकतवर है? बंबिहा गैंग की नींव गैगस्टर दविंदर सिंह सिद्धू उर्फ देविंदर बंबीहा ने रखी थी। देविंदर मोगा (पंजाब) का रहने वाला था और साल 2010 में एक विवाद के बाद देविंदर अंडरवर्ल्ड की दुनिया में उतर गया।

साल 2016 में पुलिस मुठभेड़ में गैगस्टर देविंदर मारा गया, लेकिन उसके नाम पर बंबिहा गैंग आज भी सक्रिय है, बंबिहा गैंग हत्या, अपहरण, जबरन वसूली और गोलीबारी जैसे मामलों में शामिल रहता है।

इस समय देशभर में बंबिहा गैंग के 300 से ज्यादा शूटर सक्रिय हैं। पंजाब और हरियाणा के अलावा, दिल्ली- एनसीआर और राजस्थान में भी इसका मजबूत नेटवर्क है भारत के बाहर कनाडा और अन्य देशों में बैठे गैगस्टर लकी पटियाल, गैगस्टर अर्श डल्ला और गैंगस्टर सुखदूल सिंह इस गैंग को विदेशों से ऑपरेट करते हैं। इस मामले में क्राइम रिपोर्टर गौरव राजपुरोहित ने अजमेर सिटी पुलिस के एसपी हर्षवर्धन अग्रवाल से मुलाकात कर इस मामले कि जानकारी दी, अजमेर पुलिस के एसपी हर्षवर्धन अग्रवाल ने मामले कि गंभीरता को देखते हुए पुलिस को जांच के निर्देश दिए अजमेर एसपी के निर्देश पर किशनगढ़ पुलिस ने मामले मे पिडित का बयान दर्ज कर और मामले से जुडे दस्तावेज लेकर मामले कि जांच शूरू कर दी है।

प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप के 2 पूर्व अधिकारियों को गिरफ्तार किया

मुंबई : अधिकारियों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय ने मुंबई में 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' के तहत रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप के दो पूर्व अधिकारियों को गिरफ़्तार किया है। जांच एजेंसी ने सतीश सेठ और गौतम दोषी की ट्रांज़िट रिमांड ली है, जो पहले रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड के डायरेक्टर रह चुके हैं। सीबीआई ने मार्च में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 114.98 करोड़ रुपये के कथित लोन फ्रॉड की जांच के सिलसिले में इन दोनों के ठिकानों पर छापेमारी की थी और मामला दर्ज किया था।

सेठ पहले रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के वाइस चेयरमैन रह चुके हैं। उन्हें आगे की कस्टडी के लिए दिल्ली की अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई ने कहा था कि स्टेट

बैंक ऑफ इंडिया उन 11 बैंकों के कंसोर्टियम का हिस्सा था, जिन्होंने रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड को कुल 735 करोड़ रुपये की टर्म लोन सुविधा मंजूर की थी। माना जा रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय ने सीबीआई की इस शिकायत का संज्ञान लिया है और बैंक लोन फ्रॉड के इस मामले में सेठ और दोषी की भूमिका की जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले जून में, सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशंस के पूर्व ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर अमिताभ झुनझुनवाला को गिरफ़्तार किया था। उन पर आरोप था कि कंपनी ने कथित लोन फ्रॉड के जरिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को 2,929.05 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया था। उन्हें अदालत में पेश किया गया, जिसके बाद सीबीआई ने उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ़्तार कर लिया। इस बीच, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने गुरुवार को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की याचिका स्वीकार कर ली।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

पीओके में विरो

डी एम, एस पी, से लेकर चपरासी तक, डॉक्टर, इंजीनियर प्रोफेसर शिक्षक ही नहीं बल्कि फौजी अधिकारियों की पात्रता परीक्षा पेपर और साक्षात्कार के पैटर्न में बदलाव अपरिहार्य है। किसी प्रशासनिक पद पर बैठे अधिकारी कर्मचारी की भ्रष्टाचार की शिकायत पर सीबीआई और ई डी द्वारा छापेमारी कर काली कमाई की जांच कर दंडित करने का प्रावधान है। सिर्फ भ्रष्टाचार ही नहीं जनता के प्रति उसके व्यवहार सौम्य और भावनाप्रधान होना भी अत्यावश्यक है क्योंकि प्रशासनिक पदों पर बैठे किसी भी व्यक्ति को जनता के साथ दुर्व्यवहार को भी अनिवार्य होना चाहिए। प्रशासनिक पदों विशेषकर डी एम, एस पी पोस्ट के लिए अंग्रेजों ने क्द टेस्ट इसलिए लागू किया था क्योंकि उन्हें ज्ञात था कि क्द वाले धन के लोभी होते हैं। अंग्रेज चाहते थे ऐसे अधिकारी बनाए जाएं जो जनता को लुट कर अपनी तिजोरी भरने के साथ ही सरकार के खजाने को धन से भरते रहें। दुर्भाग्यवश आजादी के उपरांत सरकार ने प्रशासनिक पदों पर क्द की नियुक्ति की जिससे सरकार और प्रशासन में भ्रष्टाचार बढ़ता गया जनता के साथ दुर्व्यवहार अंग्रेजी शासन से भी आगे निकल गया। जालियांवाला हत्याकांड को देखें तो जनरल डायर अंग्रेज था लेकिन सारे सिपाही भारतीय ही थे फिर भी निहत्थे लोगों पर गोलियां चलाने के अनुचित आदेश का पालन किया गया।

क्या किसी का जमीर जिंदा नहीं था जो मंगल पांडेय की तरह अंग्रेज अफसर को गोली मार देता? क्द वाले जन्मजात दौलत के लोभी होने के कारण भ्रष्ट होते ही हैं। एक डी एम का उदाहरण देना अपनी बात प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त होगा।एक गरीब महिला डी एम कार्यालय अपनी शिकायत देने पहुंची थी। उसपर तमाम लोगों की दृष्टि पड़ी होगी लेकिन किसी ने उससे खड़े रहने का कारण नहीं पूछा लेकिन डी एम की गाड़ी से उतरते हुए नजर महिला और बच्ची पर पड़ी। महिला के पास आकर खड़े होने का कारण पूछते हैं। महिला द्वारा अपनी समस्या बताने पर दरखास्त लेकर सीढ़ी पर बैठ कर तुरंत निस्तारण का आदेश लिखते हैं। निश्चित ही उस डी एम में एद अर्थात भावनात्मक क्षमता रही होगी जो दुखियारी की समस्या सुनकर तुरंत समाधान करने बैठ गए।देश में कितने डी एम ऐसे हैं? क्द के भ्रष्टाचार की बानगी देखिए। क्अर पूजा सिंघल ने मनरेगा घोटाले किए थे।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

एम्बेसी ग्रुप ने आरईआईटी ने याचिका को बताया 'पुराना दावा', बॉम्बे कोर्ट ने सेबी को 6 हफ्ते दिए

मुंबई: रियल एस्टेट की बड़ी कंपनी एंबेसी ग्रुप ने एंबेसी ऑफिस पार्क्स आरईआईटी से जुड़ी कुछ कंपनियों और प्रमोटरों के ''फिट एंड प्रॉपर'' (योग्य और उपयुक्त) स्टेटस पर सवाल उठाने वाली रिट याचिका को ''पुराना दावा'' बताया है। कंपनी का कहना है कि यह स्टर्लिंग एंड विल्सन द्वारा चलाए जा रहे एक लगातार अभियान का हिस्सा है। इस बीच, बॉम्बे हाई कोर्ट ने सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया को याचिकाकर्ता की बातों पर विचार करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया है। सुनवाई के बाद जारी एक बयान में, एंबेसी ग्रुप ने कहा कि चयन उपाध्याय द्वारा दायर याचिका एक ''लगातार और सुनियोजित अभियान'' का हिस्सा है, जिसका मकसद ग्रुप और उसके प्रमोटरों को निशाना बनाना है। कंपनी ने इसे ''बार-बार की जाने वाली और कानूनी रूप से बेबुनियाद कार्यवाही'' करार दिया। कंपनी का कहना है कि एंबेसी से जुड़े व्यवसायों के खिलाफ पहले भी कई अदालती मंचों पर इसी तरह की चुनौतियां दी गई थीं, जो सफल नहीं रहीं। इनमें बॉम्बे हाई कोर्ट में वीवर्क इंडिया से जुड़ी कार्यवाही भी शामिल है। एंबेसी ग्रुप के अनुसार, पिछली याचिकाएं खारिज कर दी गई थीं, एक मामले में जुमार्ना लगाया गया था, कोर्ट ने याचिकाकताओं की नीयत पर सवाल उठाए थे, एक अन्य चुनौती बिना शर्त वापस ले ली गई थी, और एक संबंधित अपील को सुप्रीम कोर्ट ने शुरूआती चरण में ही खारिज कर दिया था। एंबेसी ग्रुप ने आगे कहा कि मौजूदा याचिका ''एक नए मामले के रूप में पेश किया गया पुराना दावा'' है, जबकि पहले भी अदालती फैसले आ चुके हैं और ''फिट एंड प्रॉपर'' फ्रेमवर्क से संबंधित सेबी आरईआईटी नियमों में हाल ही में संशोधन भी हुए हैं।

मुंबई : कॉमेडी शो विवाद पर शिवसेना नेता का बयान

विधानसभा में प्रस्ताव लाने की घोषणा

मुंबई : शिवसेना नेता मनीषा कायंदे ने स्टैंड-अप कॉमेडी से जुड़े हालिया विवाद पर सख्त रुख अपनाते हुए आरोप लगाया है कि कुछ कॉमेडियन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर सीमाएं पार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई और ''सबक सिखाने'' की जरूरत है। शनिवार को दिए बयान में मनीषा कायंदे ने कहा कि वह आगामी राज्य विधानसभा के मॉनसून सत्र में इस तरह की गतिविधियों के खिलाफ एक प्रस्ताव लाने की योजना बना रही हैं। उनका कहना है कि अभिव्यक्ति की आजादी का उपयोग समाज में गलत संदेश फैलाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

यह बयान हाल ही में कॉमेडियन प्रणित मोरे, वेब डेवलपर हिमांशु जांगरा और अन्य लोगों से जुड़े एक विवाद के बीच आया है। इन पर आरोप है कि एक कॉमेडी शो के दौरान की गई कुछ टिप्पणियों में महिलाओं के खिलाफ जबरदस्ती और बिना सहमति वाले व्यवहार को लेकर आपत्तिजनक बातें कही गईं। इस मामले के सामने आने के बाद संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है और पुलिस जांच भी शुरू हो गई है। विवाद के बाद यह मुद्दा राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। मनीषा कायंदे ने कहा कि मनोरंजन के नाम पर किसी भी तरह की आपत्तिजनक या संवेदनशील विषयों पर गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी स्वीकार्य नहीं हो सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज में विशेष रूप से महिलाओं की गरिमा से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता बनाए रखना आवश्यक है। इस विवाद ने एक बार फिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उसकी सीमाओं को लेकर बहस छेड़ दी है। जहां एक ओर कुछ लोग इसे रचनात्मक स्वतंत्रता मानते हैं, वहीं दूसरी ओर इसे सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़कर देखा जा रहा है।

गर्मी और उमस से बढ़ी परेशानी,

वसोर्वा बीच पर रात में सैकड़ों लोग सोने को मजबूर

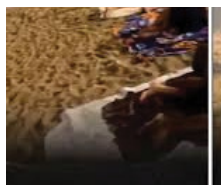

मुंबई : लंबे समय से जारी तेज गर्मी और भारी उमस ने लोगों का जनजीवन प्रभावित कर दिया है। हालात ऐसे हो गए हैं कि कई लोग अब अपने घरों के अंदर असहनीय गर्मी से बचने के लिए रात में खुले स्थानों का रुख कर रहे हैं। इसी क्रम में मीरा-भायंदर और अब वसोर्वा बीच से भी ऐसे दृश्य सामने आए हैं, जहां बड़ी संख्या में लोग समुद्र तट पर रात बिताते नजर आए। वसोर्वा बीच पर देर रात पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित सैकड़ों लोग रेत पर चटाई बिछाकर सोते हुए दिखाई दिए। गर्म और घुटन भरे माहौल से राहत पाने के लिए लोगों ने समुद्र किनारे की खुली हवा को बेहतर विकल्प माना। कई परिवारों के समूह तटरेखा के अलग-अलग हिस्सों पर जमा होकर रातभर वहीं विश्राम करते रहे।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से तापमान और उमस दोनों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे घरों के अंदर रहना मुश्किल हो गया है। पंखे और कूलर भी पर्याप्त राहत नहीं दे पा रहे हैं, जिसके कारण लोग खुले स्थानों की ओर रुख कर रहे हैं।

वसोर्वा बीच पर बनी यह स्थिति शहर की मौजूदा मौसम की गंभीरता को दशार्ती है, जहां गर्मी और नमी ने लोगों की दिनचर्या को प्रभावित किया है। कई परिवारों ने बताया कि वे रात में समुद्र किनारे इसलिए आते हैं क्योंकि वहां हवा चलने से थोड़ी राहत मिलती है। प्रशासनिक स्तर पर अभी तक इस स्थिति को लेकर कोई विशेष व्यवस्था सामने नहीं आई है, लेकिन स्थानीय स्तर पर लोगों की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़ी चिंताएं भी बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मुंबई जैसे तटीय शहरों में बढ़ती गर्मी और बदलते मौसम के पैटर्न का असर लोगों के रहने और सोने के तरीके पर भी पड़ रहा है।

महिला की हत्या के मामले में आरोपी की प्रेमिका भी गिरफ्तार

वारदात में इस्तेमाल कार बरामद

नवी मुंबई : करीब दो महीने पहले मिले एक अज्ञात महिला के शव की पहचान कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में पनवेल तालुका पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान करण नामदेव पाटील (निवासी फडके पाडा, शीलफाटा, ठाणे) के रूप में हुई है।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि इस हत्या की साजिश और मिटाने में आरोपी की दूसरी प्रेमिका भी शामिल थी। पुलिस ने उसे भी वारदात में इस्तेमाल की गई चार पहिया वाहन के साथ हिरासत में ले लिया है। 11 अप्रैल को पनवेल तालुका पुलिस को चिंचवली के पास पनवेल-दुंद्रे मार्ग पर वन विभाग की जमीन में झाड़ियों के बीच एक अज्ञात महिला का शव मिला सबूत था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर मृतका की पहचान करने के लिए व्यापक जांच शुरू की।

शिवसेना यूबीटी विभाजन के बीच आदित्य ठाकरे का हमला, कहा– ''गंदी राजनीति''

मुंबई : शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने शुक्रवार को ''गंदी राजनीति'' और चुनावी जनादेश के साथ विश्वासघात की निंदा की। यह घटनाक्रम तब हुआ जब उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के नौ लोकसभा सांसदों में से छह ने संसदीय दल की एक अहम बैठक का बहिष्कार किया। अपनी पार्टी की 60वीं वर्षगांठ के मौके पर, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री ने उन नेताओं पर निशाना साधा जिन्होंने निजी फायदे के लिए अपने समर्थकों का साथ छोड़ दिया है।

एक्स पर एक पोस्ट में ठाकरे ने कहा, ''ये बेशर्म, एहसान-फरामोश और भ्रष्ट लोग - जो 2024 में कुछ खास लोगों की वजह से जीते थे - अब उन्हीं के साथ धोखा कर रहे हैं!'' उन्होंने इन नेताओं पर आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में उन्होंने न केवल अपना राजनीतिक भविष्य बल्कि अपनी व्यक्तिगत और पारिवारिक प्रतिष्ठा भी बेच दी है। उन्होंने पोस्ट किया, ''आज शिवसेना की 60वीं वर्षगांठ है। एक बार फिर हम गंदी राजनीति का एक परेशान करने वाला उदाहरण देख

रहे हैं। ये बेशर्म, एहसान-फरामोश और भ्रष्ट लोग, जो 2024 में कुछ लोगों की कोशिशों से जीते थे, अब उन्हीं के साथ धोखा कर रहे हैं। चाहे कितने भी बहाने बनाए जाएं, सच यही है - आपने खुद को बेच दिया है। ऐसा करके आपने न केवल अपनी प्रतिष्ठा से समझौता किया है, बल्कि अपने परिवारों की प्रतिष्ठा को भी दांव पर लगा दिया है।'' राज्य के मौजूदा राजनीतिक माहौल पर बात करते हुए, ठाकरे ने भरोसा जताया कि मतदाता ऐसी चालों को नकार देंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि महाराष्ट्र इन तौर-तरीकों को बर्दाश्त नहीं करेगा और कहा कि उनकी पार्टी की मौजूदगी हालात को सुधारने के लिए एक जरूरी ताकत है। ठाकरे ने घोषणा की, ''इस अंधेरे में, रोशनी लाने वाला कोई और नहीं, बल्कि हमारी मशाल होगी!'' उन्होंने अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न 'मशाल' का ज़िक्र करते हुए इसे उन लोगों के लिए उम्मीद की किरण बताया जो मौजूदा राजनीतिक रुझानों का विकल्प तलाश रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) पर संकट के बादल तब मंडराने लगे जब पार्टी के नौ लोकसभा सांसदों में से छह नई दिल्ली में बुलाई गई बैठक में शामिल नहीं हुए। उनके न आने से उनके शिवसेना और नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) में शामिल होने की अटकलें तेज हो गईं। यह घटनाक्रम शिवसेना (यूबीटी) में एक और संभावित टूट की अफवाहों के बीच सामने आया है, जिसे ''ऑपरेशन टाइगर'' कहा जा रहा है।

बेस्ट हड़ताल पर शिवसेना नेता राहुल शेवाले ने मुख्यमंत्री फडणवीस से हस्तक्षेप की मांग की

मुंबई : शिवसेना के पूर्व सांसद राहुल शेवाले ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर मुंबई में चल रही बेस्ट बस हड़ताल को सुलझाने के लिए राज्य सरकार से तुरंत दखल देने की मांग की। 21 जून को होने वाली नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट परीक्षा में शामिल होने वाले हजारों छात्रों के लिए गहरी चिंता जताते हुए, शेवाले ने कहा कि हड़ताल के कारण उनके समय पर परीक्षा केंद्रों तक पहुँचने में बड़ी दिक्कत आ सकती है।

पत्र में शेवाले ने बताया कि बस सेवा ठप होने के कारण लाखों यात्रियों, जिनमें मेडिकल की तैयारी करने वाले छात्र भी शामिल हैं जो पब्लिक बस सेवा पर निर्भर हैं, को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पत्र में लिखा, ''21 जून 2026 को होने वाली नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट परीक्षा में शामिल होने वाले हजारों छात्रों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। मुंबई और उपनगरों के कई छात्र अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुँचने के लिए काफी हद तक बेस्ट बसों पर निर्भर हैं।'' उन्होंने कहा कि नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट परीक्षा मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और उनके भविष्य के लिए एक निर्णायक परीक्षा है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि ट्रांसपोर्ट की दिक्कतें छात्रों को

अहम नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट परीक्षा में शामिल होने से न रोकें... शेवाले ने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि जिन रूटों पर बेस्ट बसें उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ स्पेशल शटल सेवा, स्कूल बस या अन्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था की जाए; परीक्षा के दिन के लिए खास तौर पर अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट सुविधाएँ चालू रखी जाएँ (जब तक हड़ताल खत्म न हो जाए); और हड़ताल खत्म करने के लिए बेस्ट प्रशासन, लेबर यूनियन और अन्य संबंधित पक्षों के साथ तुरंत बातचीत शुरू की जाए।

उन्होंने कहा, ''छात्रों की जरूरत के हिसाब से स्पेशल शटल सेवा, स्कूल बस या अन्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुविधाओं का इंतजाम किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा, ''आपके तुरंत दखल देने से छात्रों और उनके माता-पिता के बीच आने वाली परीक्षा को लेकर फैली चिंता और तनावपूर्ण माहौल को कम करने में मदद मिलेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी छात्र सिर्फ. ट्रांसपोर्ट की दिक्कतों की वजह से इस अहम परीक्षा में शामिल होने के मौके से वंचित न रहे।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए, इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप इस मामले में तुरंत दखल दें और बेस्ट प्रशासन तथा संबंधित कर्मचारी संगठनों के साथ बातचीत करें ताकि हड़ताल को जल्द से जल्द खत्म किया जा सके।''

शिवसेना में अंदरूनी कलह तेज: निरुपम का उद्धव ठाकरे पर बड़ा हमला

मुंबई : शिवसेना (उद्धव गुट) के भीतर राजनीतिक घमासान एक बार फिर तेज हो गया है। पार्टी के प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता संजय निरुपम ने अपने ही नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए संगठन की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि

पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे न तो सक्रिय रूप से जनता के बीच जा रहे हैं और न ही पार्टी संगठन से लगातार संवाद बनाए हुए हैं। निरुपम ने आरोप लगाया कि ठाकरे लंबे समय से अपने आवास मातोश्री तक ही सीमित हो गए हैं। उन्होंने कहा कि न तो वे पार्टी कार्यालय पदाधिकारियों, सांसदों और विधायकों से नियमित संपर्क में हैं और न ही महाराष्ट्र की जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इसी निष्क्रियता के कारण पार्टी का जमीनी ढांचा कमजोर हो रहा है और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। यहां तक कि कई सांसदों के असंतोष की खबरें भी सामने आ रही हैं। निरुपम ने आगे कहा कि संगठन तभी मजबूत रहता है जब उसका नेतृत्व लगातार जनता और कार्यकर्ताओं के बीच सक्रिय रहे, लेकिन वर्तमान स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है। उन्होंने इसे शिवसेना के लिए ''चिंताजनक संकेत'' बताया।

शिवसेना में बढ़ रहा जनता का भरोसा, नए नेताओं का जुड़ना सकारात्मक संकेत : योगेश कदम

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार के मंत्री योगेश कदम ने कहा है कि उद्धव ठाकरे गुट के नेताओं और कार्यकर्ताओं का शिवसेना में शामिल होना पार्टी के लिए एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि अगर आज कोई नेता पार्टी में आता है, तो यह उसका निजी फैसला है, लेकिन उसका शामिल होना संगठन की बढ़ती स्वीकार्यता को दिखाता है। योगेश कदम ने कहा कि जिस व्यक्ति ने सबसे पहले उद्धव ठाकरे को के साथ थे और अब शिवसेना में शामिल होने का फैसला कर रहे हैं या कर चुके हैं, उनका स्वागत है। उन्होंने स्पष्ट

किया कि इसे केवल संख्या बढ़ने के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह जनता और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच पार्टी के प्रति बढ़ते विश्वास का संकेत है।

मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में शिवसेना लगातार विस्तार कर रही है और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में पार्टी को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। उनके अनुसार, शिंदे के नेतृत्व और कार्यशैली के कारण लोगों का भरोसा बढ़ा है, जिसका असर संगठन के विस्तार में भी दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य महाराष्ट्र के विकास और जनहित के मुद्दों पर काम करना है। इसी वजह से विभिन्न क्षेत्रों के लोग शिवसेना के साथ जुड़ने में रुचि दिखा रहे हैं। योगेश कदम ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में पार्टी और अधिक मजबूत होगी तथा राज्य की राजनीति में अपनी भूमिका को और सशक्त बनाएगी।

आईआईटी बॉम्बे कैंपस में तेंदुए की दहशत, कुत्ते को घसीट ले जाने का सीसीटीवी वीडियो वायरल

मुंबई : आईआईटी बॉम्बे कैंपस में उस समय हड़कंप मच गया जब स्टाफ हॉस्टल इलाके में एक तेंदुआ देखा गया। तेंदुए ने वहां एक आवारा कुत्ते पर बेरहमी से हमला कर उसे मार डाला। यह डरावनी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। फुटेज में तेंदुआ हॉस्टल इलाके में घूमता हुआ और फिर तेजी से कुत्ते पर हमला करता हुआ दिखाई दे रहा है।

वीडियो में तेंदुआ रात के समय इलाके में घुसते और कुत्ते के पास जाते हुए दिख रहा है। कुछ ही सेकंड में, तेंदुआ कुत्ते पर झपटता है और उसे काबू में कर लेता है। इसके बाद, तेंदुआ कुत्ते को घसीटते हुए ले जाता है और फिर वहां से गायब हो जाता

है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और लोगों का ध्यान खींचने के साथ-साथ चिंता का विषय भी बन गया है।

इस घटना के बाद आईआईटी बॉम्बे कैंपस में रहने वाले लोगों, खासकर स्टाफ हॉस्टल इलाके में रहने वालों के बीच चिंता फैल गई है। तेंदुए का दिखना कोई नई बात नहीं आईआईटी बॉम्बे संजय गांधी नेशनल पार्क के पास स्थित है। यह पार्क तेंदुओं के लिए जाना जाता है और अक्सर तेंदुए खाने की तलाश में, खासकर आवारा जानवरों के लिए, पास के रिहायशी इलाकों में भटक आते हैं। हालांकि, कैंपस के अंदर तेंदुए का इतनी करीब से दिखना अक्सर वहां रहने वाले लोगों के मन में सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा करता है।

टीएमसी नेता की पत्नी ने रची थी 'जेल ब्रेक' की साजिश!

फालता थाना घेराव मामले में मामला दर्ज

पश्चिम बंगाल : पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और कथित सिंडिकेट राज पर लगाम कसने की मुहिम शुरू हो गई है। ईसी बीच दक्षिण 24 परगना जिले के फालता में बुधवार को बड़ा हंगामा देखने को मिला। तृणमूल कांग्रेस के प्रभावशाली नेता और विवादों में घिरे जहांगीर खान की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों की संख्या में जुटे समर्थकों ने फालता थाने का घेराव कर उन्हें लॉकअप से छुड़ाने की कोशिश की। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए कि इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने समय रहते मोर्चा संभाल लिया और कथित 'जेल ब्रेक' की इस कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने राज्य की राजनीति और कानून-व्यवस्था को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

खुफिया इनपुट के बाद अलर्ट हुआ प्रशासन

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को फालता के शातोल कोलसा इलाके में स्थित जहांगीर खान के आवास के पास अचानक सैकड़ों लोग जमा होने लगे। देखते ही देखते भीड़ ने लाठी-डंडों के साथ नारेबाजी शुरू कर दी और संगठित तरीके से फालता थाने की ओर बढ़ने लगी। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर प्रशासन पहले से ही सतर्क था और भीड़ की गतिविधियों पर नजर रखे हुए था। अधिकारियों को आशंका थी कि एक सुनियोजित रणनीति के तहत बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा किया गया है, जिससे इलाके में तनाव पैदा किया जा सके।

सुरक्षा बलों ने भीड़ को भगाया

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत अतिरिक्त बल तैनात कर दिया और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी।भारी तादाद में राज्य पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनात जवानों ने समय रहते मोर्चा संभाल लिया और पूरी भीड़ को खदेड़ दिया। मौके से 8 लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया। जांच एजेंसियों और खुफिया विभाग की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इस पूरे घटना के पीछे जहांगीर खान की पत्नी की मुख्य भूमिका सामने आई है। अधिकारियों का दावा है कि उन्होंने ही कथित तौर पर समर्थकों को संगठित कर थाने का घेराव करने की योजना बनाई थी। पुलिस की प्राथमिकी के अनुसार, सोमवार रात से वह क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में जाकर तथा सोशल मीडिया के माध्यम से समर्थकों को एकजुट करने का प्रयास कर रही थीं।

जहांगीर खान की पत्नी पर लोगों को कानून अपने हाथ में लेने और विरोध प्रदर्शन के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने उनके खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। तो वहीं उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। आखिर जहांगीर खान कौन है और पुलिस उसके खिलाफ इतनी सख्त कार्रवाई क्यों कर रही है? यह सवाल अब चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल जहांगीर खान ममता बनर्जी की सरकार के दौरान तृणमूल कांग्रेस के नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी से करीबी संबंध रहा है।

प्रयागराज के युवक की गुजरात में मौत: एक महीने पहले हुई थी शादी

प्रयागराज। एक युवक की गुजरात में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक की शादी महज एक माह पहले हुई थी। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

मांडा क्षेत्र की हंडिया ग्राम पंचायत के गोसाईं दास का पूरा के रहने वाले मनोज कुमार कुशवाहा (35) रोजगार के सिलसिले में 18 मई को गुजरात के आनंद जिले गए थे। इससे पहले 6 मई 2026 को उनकी शादी मांडा के पचेड़ा गांव निवासी रेखा के साथ हुई थी। परिजनों के अनुसार, शादी के कुछ दिन बाद ही मनोज जल्द वापस लौटने का आश्वासन देकर काम पर चले गए थे। बताया गया है कि शुक्रवार शाम अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। सहकर्मी उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों को बताया गया कि हृदय गति रुकने के कारण उनकी मौत हुई है।

मौत की सूचना मिलते ही नवविवाहिता पत्नी रेखा, पिता संगमलाल कुशवाहा, बड़े भाई अनिल और छोटे भाई नीरज का रो-रोकर बुरा हाल है। तीन भाइयों में दूसरे नंबर के मनोज परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। उनकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों के अनुसार, मनोज का शव रविवार शाम तक पैतृक गांव पहुंचने की उम्मीद है। इसके बाद डेंगुरपुर गंगा घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

प्रयागराज में मंदिर जा रहे बुजुर्ग और बेटे पर हमला: जमीन विवाद में दबंगों ने लाठी-डंडों से पीटा, जांच में जुटी पुलिस

प्रयागराज। प्रयागराज के कौंधियारा थाना क्षेत्र के टिकरी गांव में रविवार सुबह कथित जमीन विवाद को लेकर मारपीट का मामला सामने आया। आरोप है कि मंदिर जा रहे एक बुजुर्ग और उनके बेटे पर कुछ लोगों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। घटना में दोनों घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। टिकरी गांव के रहने वाले संतोष मिश्रा ने बताया कि उनके पिता दयाशंकर मिश्रा रविवार सुबह मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में पहले से मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और कहासुनी के बाद मारपीट शुरू कर दी। संतोष का आरोप है कि पिता को बचाने पहुंचे तो उनके साथ भी लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला किया गया।

हमले में संतोष मिश्रा के सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि उनके पिता दयाशंकर मिश्रा का हाथ फ्रैक्चर होने की बात कही जा रही है। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर कौंधियारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमला जमीन संबंधी पुराने विवाद को लेकर किया गया। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर और चिकित्सीय रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। एहतियातन क्षेत्र में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है।

ब्रिटेन में 100 साल पुराने भारतीय रेस्तरां पर बेदखली का खतरा, बचाने के लिए भारत से दखल की अपील

ब्रिटेन : दुनिया के सबसे पुराने भारतीय रेस्टोरेंट में से एक वीरस्वामी ने भारत सरकार से अपील की है कि वह लंदन में उसकी मशहूर जगह से उसे जबरन हटाए जाने के मामले में दखल दे। इस जगह पर कभी महात्मा गांधी का स्वागत किया गया था। इस रेस्टोरेंट ने हाल ही में 100 साल पूरे किए हैं। अब महीने के आखिर में इसकी लीज को लेकर कानूनी लड़ाई होने वाली है। बिल्डिंग के मालिक क्राउन एस्टेट का कहना है कि बड़े पैमाने पर मरम्मत की जरूरत के कारण वे इस ऐतिहासिक रेस्टोरेंट की लीज को रिन्यू नहीं कर सकते। वीरस्वामी की मालिक कंपनी एमडब्ल्यू ईट के रंजीत मथरानी ने कहा, 'इतनी देर हो जाने के बाद भी, हम भारत सरकार से गुजारिश करेंगे कि वह भारतीय व्यंजन, जो ब्रिटेन में देश की 'साफ्ट पावर' है, के लिए दखल देने पर विचार करे।' मथरानी ने कहा, ''आखिरकार, वीरस्वामी भारत से बाहर गई पाक-कला की विशेषज्ञता का एक शानदार उदाहरण है।'

7 साल के मासूम का अपहरण कर हत्या... जंगल से मिला शव, मां के परिचित ने कबूला गुनाह

मेरठ : उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के बहसूमा थाना क्षेत्र (रामराज कस्बे) से अपहृत 6 वर्षीय मासूम अंगद वीर की हत्या के मामले में रोंगटे खड़े कर देने वाले खुलासे हुए हैं. मासूम अंगद की गला रेतकर बेहद निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई है. पुलिस ने मुख्य आरोपी अर्पित शर्मा की निशानदेही पर एक जंगल से बच्चे का शव बरामद कर लिया है. इस खौफनाक वारदात के तार अब अवैध संबंधों से जुड़ते नजर आ रहे हैं, जिसके बाद पुलिस ने मृतक बच्चे की मां को भी हिरासत में ले लिया है. जानकारी के अनुसार, अंगद वीर का अपहरण उसके घर के बाहर गली से एक कार सवार ने किया था. यह पूरी वारदात गली में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी. फुटेज के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अर्पित शर्मा नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. शुरूआती पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को गुमराह करते हुए बताया था कि उसने हत्या के बाद शव को नहर में फेंक दिया है. इसके बाद पुलिस और गोताखोरों की टीम ने नहर में घंटों सघन सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं लगी.

दिशा की 'मेमोरी लॉस'

मुंबई : दिशा पाटनी ने एक बार अपनी जिंदगी के उस डरावने अनुभव को साझा किया था, जब उन्हें कुछ समय के लिए याददाश्त की समस्या का सामना करना पड़ा था। सलमान खान की फिल्म 'भारत' के लिए जिम्नास्टिक की ट्रेनिंग के दौरान उन्हें सिर पर गंभीर चोट लगी थी, जिसकी वजह से कथित तौर पर उनकी लगभग छह महीने की याददाश्त प्रभावित हो गई थी। दिशा ने एक मीडिया इवेंट में बताया था कि उस दौरान की कई बातें उन्हें आज भी याद नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर वे उन छह महीनों को याद करने की कोशिश भी करें, तो कुछ भी स्पष्ट रूप से याद नहीं आता। यह अनुभव उनके लिए काफी मुश्किल भरा था। उन्होंने यह भी बताया कि चोट लगने के बाद वे अक्सर गिरती-पड़ती रहती थीं और इंस्टाग्राम पर भी उन्होंने अपनी रिकवरी को लेकर पोस्ट किया था। आज दिशा पाटनी स्वस्थ होकर अपने करियर में आगे बढ़ रही हैं।

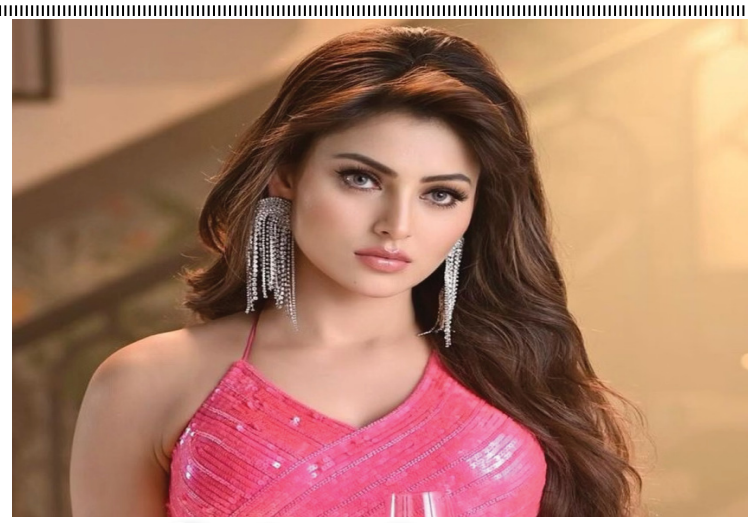

उर्वशी को चाहिए 'संस्कारी लड़का'

मुंबई : उर्वशी रौतेला हाल ही में ओटीटी सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश पार्ट २' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने पूनम मिश्रा का किरदार निभाया। हाल ही में उन्होंने अपने जीवनसाथी को लेकर खुलकर बात की और बताया कि वह किस तरह के इंसान को अपना हमसफर बनाना चाहेंगी। उर्वशी के अनुसार, उनके लिए बाहरी आकर्षण से ज्यादा पारिवारिक मूल्य और संस्कार महत्वपूर्ण हैं। वह मानती हैं कि जीवनसाथी ऐसा होना चाहिए, जो जिम्मेदार हो और अपने वादों पर खरा उतरे। उन्होंने यह भी कहा कि कई लोग उन्हें पसंद करते हैं, लेकिन उनके लिए सबसे जरूरी बात इंसान का व्यवहार और सोच है। उर्वशी ने स्पष्ट किया कि वह फिल्म इंडस्ट्री से बाहर के व्यक्ति को अपना जीवनसाथी बनाना चाहेंगी, क्योंकि उनके परिवार वाले भी यही चाहते हैं। उनका मानना है कि गैर-फिल्मी व्यक्ति के साथ जीवन अधिक सरल और संतुलित हो सकता है, जहां बातचीत और रिश्ते अधिक वास्तविक होते हैं।

'वो मेरा पहला प्यार'

मुंबई : करीना कपूर खान आज इंडस्ट्री की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने साल २०१२ में अभिनेता सैफ अली खान से शादी की थी। सैफ से पहले उनका नाम अभिनेता शाहिद कपूर के साथ लंबे समय तक जुड़ा रहा और दोनों का रिश्ता काफी सुर्खियों में रहा। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि इन रिश्तों से पहले करीना की जिंदगी में पहला प्यार भी आ चुका था। करीना ने एक पुराने इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उन्हें महज १* साल की उम्र में पहली बार प्यार हुआ था। उन्होंने दिवंगत फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी के बेटे विक्की निहलानी को अपना पहला प्यार बताया था। करीना के अनुसार, विक्की उनके लिए बेहद खास थे और हर परिस्थिति में उनका साथ देते थे। हालांकि, समय के साथ दोनों अपने-अपने करियर में आगे बढ़ गए और उनका रिश्ता आगे नहीं चल पाया। बाद में दोनों ने अलग-अलग रास्ते चुन लिए और जीवन में आगे बढ़ गए।

कृति की करोड़ों वाली डील

मुंबई : कृति सेनन और उनके परिवार ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट स्थित चार अपार्टमेंट बेचकर शानदार मुनाफा कमाया है। कृति सेनन, उनकी बहन नूपुर सेनन और मां गीता सेनन ने मिलकर ये चार फ्लैट कुल ८.९ करोड़ रुपए में बेचे हैं। प्रॉपर्टी दस्तावेजों के अनुसार, इन अपार्टमेंट्स को फिल्ममेकर और कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने खरीदा है। जानकारी के मुताबिक, सेनन परिवार ने इन संपत्तियों को २०१३ से २०१७ के बीच करीब ४.३१ करोड़ रुपए में खरीदा था। अब ८.९ करोड़ रुपए में बिक्री के बाद उन्हें लगभग ४.६ करोड़ रुपए का लाभ हुआ है, जो करीब १०७ प्रतिशत रिटर्न के बराबर है। अंधेरी वेस्ट के रहेजा क्लासिक में स्थित दो बड़े अपार्टमेंट 3.23-3.23 करोड़ रुपए में बेचे गए, जबकि दो छोटे फ्लैट १.२१-१.२१ करोड़ रुपए में बिके। सभी सौदे २४ अप्रैल २०२६ को रजिस्टर्ड हुए। इस डील ने एक बार फिर मुंबई रियल एस्टेट में निवेश की बढ़ती संभावनाओं को उजागर किया है।

'पतिदेव जवाब दीजिए'

मुंबई : पंजाबी अभिनेत्री ईशा रिखी ने आखिरकार सिंगर और रैपर बादशाह के साथ अपनी शादी की पुष्टि कर दी है। पिछले कुछ समय से दोनों की शादी की खबरें चर्चा में थीं। बताया जा रहा था कि मार्च में दोनों ने गुपचुप तरीके से शादी की थी, लेकिन किसी ने भी आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की थी। अब ईशा ने सोशल मीडिया पर अपने पैंस के साथ बातचीत के दौरान इस खबर पर मुहर लगा दी है। इंस्टाग्राम पर आयोजित 'कुछ सवाल, कुछ जवाब' सत्र में एक प्रशंसक ने उनसे पूछा कि अगर उनकी शादी हो चुकी है तो वे और बादशाह एक-दूसरे को फॉलो क्यों नहीं करते। इस पर ईशा ने मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि इस सवाल का जवाब उनके पति बादशाह को भी देना चाहिए। उन्होंने बादशाह को टैग किया। टैग करते हुए लिखा है, 'पतिदेव दर्शकों के कुछ सवाल हैं। कृपया उन्हें जल्द से जल्द जवाब दीजिए'। वहीं, एक अन्य सवाल के जवाब में ईशा ने बादशाह के साथ अपनी एक रोमांटिक तस्वीर साझा की, जिससे उनकी शादी की पुष्टि हो गई।

मुंबई पुलिस के कांस्टेबल पर ही ठगी का आरोप...

हीरा कारोबारी से 15.5 लाख रुपये ऐंठने का मामला दर्ज

मुंबई : कानून की रक्षा करने वाले पुलिस विभाग का एक कर्मचारी ही ठगी के गंभीर आरोपों में घिर गया है। नवी मुंबई के मोटर ट्रांसपोर्ट विभाग में तैनात एक पुलिस कांस्टेबल के खिलाफ अंधेरी पुलिस ने 15.5 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोपी ने कथित तौर पर खुद को आर्थिक अपराध शाखा (एडह) का अधिकारी बताकर एक हीरा कारोबारी और उसके बेटे से लाखों रुपये वसूल लिए। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान प्रवीण शामराव कुंडलकर के रूप में हुई है, जो वर्तमान में नवी मुंबई पुलिस के मोटर ट्रांसपोर्ट विभाग में कार्यरत है। 1.25 करोड़ के हीरा घोटाले से जुड़ा है मामला शिकायतकर्ता सूयार्जी तुकाराम सोनावणे सायन निवासी और हीरा निर्यातक हैं। करीब चार वर्ष पहले उन्हें कारोबारी रवि जैन ने कथित तौर पर 1.25 करोड़ रुपये मूल्य के हीरों की ठगी का शिकार बनाया था। इस संबंध में डी. बी. मार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया गया था। पुलिस जांच के दौरान करीब 50 लाख रुपये मूल्य के हीरे बरामद कर लिए गए थे, लेकिन 75 लाख रुपये के हीरे अब तक नहीं मिल सके।

मुंबई में कपड़ा खरीदने गई महिला से छेड़छाड़, आरोपी के खिलाफ केस दर्ज...

मुंबई : मुंबई में कपड़ा खरीदने गई एक महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी की पहचान रफत हुसैन के रूप में हुई है, जिसके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना जुहू इलाके की है, जहां के शोरूम में एक महिला कपड़ा खरीदने के लिए गई थी, लेकिन वहां उसके साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया गया। महिला की शिकायत के आधार पर मुंबई के सांताक्रुज पुलिस स्टेशन में आरोपी रफत हुसैन के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मामले की गंभीरता से देखते हुए रफत हुसैन के खिलाफ बीएनएस की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, इस मामले में अभी तक रफत हुसैन को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

महिला ने पुलिस को बताया कि जुहू के एक शोरूम में वह चार अन्य महिलाओं के साथ कपड़ा खरीदने के लिए पहुंची थी, तब आरोपी ने मौके का फायदा उठाते हुए महिला को गलत तरीके से छुआ। जब महिला ने इसका विरोध किया, तब उसके साथ मौजूद अन्य महिलाओं ने आरोपी के साथ हाथापाई की, जिसके बाद महिला ने नजदीकी पुलिस स्टेशन पहुंचकर मामला दर्ज कराया। पुलिस मामला दर्ज करने के बाद, शोरूम में लगे सीसीटीवी की जांच कर रही है। बता दें कि एक अन्य महिला के साथ हुई रेप की घटना में उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम पुलिस स्टेशन की टीम ने कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी को लंबे समय बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस ने केस दर्ज करने के दो महीने बाद आरोपी को उत्तराखंड से गिरफ्तार किया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 4 अप्रैल को वेलकम

पुलिस स्टेशन में 21 वर्ष की एक युवती ने शिकायत की थी। युवती ने आरोप लगाया कि 2023 में एक व्यक्ति ने पिस्तौल दिखाकर उसका यौन उत्पीड़न किया था। आरोपी ने कथित तौर पर पीड़िता का वीडियो रिकॉर्ड किया और बाद में उसे ब्लैकमेल किया, धमकाया और बार-बार उसका यौन शोषण किया। उसने ट्यूशन क्लास के दौरान पीड़िता का पीछा भी किया और उसे तथा उसके परिवार के सदस्यों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर, वेलकम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान और विस्तृत पड़ताल में पता चला कि घटना के समय पीड़िता नाबालिग थी।

भारी बकरी बनी ट्रैफिक पुलिस की "गवाह", अवैध क्लोन ऑटो-रिक्शा रैकेट का खुलासा

मुंबई: एक अजीबोगरीब लेकिन रोचक घटना में ठाणे के व्यस्त तीन हाथ नाका जंक्शन पर एक भारी-भरकम बकरी की वजह से अवैध गतिविधियों का पदार्फाश हो गया। यह घटना 15 जून की है, जब रूटीन ट्रैफिक चेकिंग के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने एक अनोखी स्थिति देखी, जिसने पूरे मामले को उजागर कर दिया। जानकारी के अनुसार, नौपाडा ट्रैफिक पुलिस की टीम, इंस्पेक्टर गौरी मोरे की देखरेख में घोड़बंदर रोड क्षेत्र में सामान्य ट्रैफिक व्यवस्था संभाल रही थी। इसी दौरान भीड़भाड़ वाले जंक्शन पर एक ऑटो-रिक्शा (रजिस्ट्रेशन नंबर एमएच ०४ एचजेड 4290) संदिग्ध तरीके से चलता दिखाई दिया।

ट्रैफिक पुलिस को तब आश्चर्य हुआ जब देखा गया कि उस ऑटो-रिक्शा में यात्री नहीं बल्कि एक बड़ी बकरी को ले जाया जा रहा था। सामान्य नियमों के अनुसार सार्वजनिक परिवहन वाहनों का इस तरह उपयोग अवैध माना जाता है। मामले को गंभीरता से लेते हुए ट्रैफिक टीम ने तुरंत वाहन को रोका और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि संबंधित ऑटो-रिक्शा का उपयोग नियमों के विपरीत तरीके से किया जा रहा था और यह एक बड़े अवैध क्लोन ऑटो-रिक्शा रैकेट से जुड़ा हो सकता है।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर इलेक्ट्रॉनिक ई-चालान जारी किया और आगे की जांच शुरू कर दी। अधिकारियों का मानना है कि यह मामला सिर्फ एक नियम उल्लंघन नहीं, बल्कि एक बड़े नेटवर्क की ओर इशारा कर सकता है, जिसमें फर्जी या क्लोन वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि इस घटना ने नियमित जांच की अहमियत को और मजबूत किया है।

प्रदूषण बोर्ड का अफसर बनकर वसूली का खेल...

40 हजार मांगने आया जालसाज दबोचा गया

ठाणे : ठाणे में महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल का अधिकारी बनकर एक लघु उद्योगपति से हर साल 40 हजार रुपए की उगाही करने की कोशिश करने वाले गिरोह का पदार्फाश हुआ है। शक होने पर कारोबारी ने जांच कराई तो पूरा खेल सामने आ गया। इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर एक आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया, जबकि उसके साथी फरार हो गए। मुंब्रा निवासी शिकायतकर्ता का कल्याण-शीलफाटा मार्ग स्थित पड़लेगांव के पास कांच फिटिंग और पेंटिंग का कारोबार है। नौ जून को कुछ लोग फैक्टरी पहुंचे और कर्मचारियों से मालिक का मोबाइल नंबर ले गए। इसके बाद एक व्यक्ति ने फोन कर खुद को महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल का अधिकारी बताया। उसने कहा कि कंपनी के पास जरूरी प्रमाणपत्र नहीं है और कार्रवाई से बचना है तो हर साल 40 हजार रुपये देने होंगे। अगले दिन शीलफाटा पुल के पास दो लोगों ने कारोबारी से मुलाकात की।

उन्होंने डराया कि रकम नहीं देने पर कंपनी बंद हो सकती है और 1.35 लाख रुपए का जुमार्ना भी भरना पड़ेगा। लगातार दबाव और धमकी से परेशान कारोबारी को शक हुआ। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण मंडल के कार्यालय में जानकारी ली।

नालासोपारा में जैन साधुओं के स्वागत के लिए बनाई गई सफेद लाइन पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का विरोध...

नालासोपारा : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने जैन साधुओं के स्वागत के लिए रिहायशी परिसर में खींची गई सफेद लाइन को लेकर कड़ा विरोध जताया। इस घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए जैन और मराठी समुदायों के बीच तनाव की स्थिति बन गई। यह विवाद पाटनकर टॉवर सोसाइटी में शुरू हुआ, जहां जैन साधुओं के आगमन पर उनके स्वागत के लिए परिसर के अंदर एक सफेद पट्टी (लाइन) बनाई गई थी। इसी व्यवस्था को लेकर स्थानीय स्तर पर आपत्ति जताई गई, जिसके बाद मामला तूल पकड़ गया।

स्थानीय नेता संजय मेहरा के नेतृत्व में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और उन्होंने इस व्यवस्था का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि किसी भी सहकारी हाउसिंग सोसाइटी के कॉमन एरिया में बिना सभी निवासियों की सहमति के कोई भी धार्मिक बदलाव, पेंटिंग या विशेष व्यवस्था नहीं की जा सकती। विवाद बढ़ने के बाद मौके पर स्थिति कुछ देर के लिए तनावपूर्ण हो गई और दोनों पक्षों के बीच बहस की स्थिति भी बनी। हालांकि स्थानीय लोगों और प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना कार्यकर्ताओं का तर्क है कि सार्वजनिक या साझा स्थानों पर किसी भी प्रकार के धार्मिक प्रतीक या बदलाव से पहले सभी निवासियों की सहमति जरूरी होती है, ताकि किसी भी प्रकार का विवाद या असहमति उत्पन्न न हो। उनका कहना है कि नियमों का पालन सभी के लिए समान रूप से होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर, जैन समुदाय के कुछ लोगों का कहना है कि साधुओं के सम्मान और स्वागत के लिए यह व्यवस्था की गई थी, जिसका उद्देश्य केवल धार्मिक भावना और परंपरा का पालन करना था। इस मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों के बीच मतभेद सामने आए हैं। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने स्थिति पर नजर रखी और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाया और किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com